ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292RNI
REG. NO. UPBIL/2014/66218 **PP. No.- 212-215**
I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e-I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-18, No.-III, Issues-33, YEAR-July-Sept. 2024

मिश्रित अधिगम उपागम के साधन एव इसके उपयोग से छात्रों के शैक्षिक विकास पर प्रभाव : एक अध्ययन

1.सुप्रिया सोनी
2.प्रो0 (डॉ0) निखिल रंजन प्रकाश
1.शोध अध्येत्री, शिक्षाशास्त्र, 2. अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, नीतीश्वर महाविद्यालय, (बी0आर0ए0 बिहार विवविद्यालय, मुजफ्फरपुर) मुजफ्फरपुर (बिहार) भारत

Received-18.09.2024, Revised-25.09.2024, Accepted-30.09.2024 **E-mail : supriyasoni287@gmail.com**

सारांश: ***मिश्रित (ब्लेंडेड) अधिगम उपागम एक ऐसा उपागम है जिसमें एक शिक्षक "आमने–सामने के शिक्षण अथवा कक्षा में, कक्षा कक्ष के बाहर समुदाय में तथा कार्यक्षेत्र की परिस्थिति में गतिविधि आधारित अधिगम एवं कम्प्यूटर–आधारित या ऑनलाइन अधिगम" को मिलाता है (यूनेस्को, 2017)। यदि आप निर्देशों का कुछ हिस्सा आमने–सामने के कक्षाकक्ष वातावरण में प्रदान करना चाहते हैं तथा अन्य हिस्सा ऑनलाइन माध्यम के द्वारा करना चाहते हैं तो यह मिश्रित (ब्लेंडेड) अधिगम कहलाता है। मिश्रित (ब्लेंडेड) एक ऐसा विस्तृत शब्द है कि यह अपने आप में कई चीजों को शामिल किये हुए है। कभी–कभी मिश्रित (ब्लेंडेड) अधिगम को आमने–सामने के अधिगम तथा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के मिश्रण के रूप में भी देखा जाता है।***

कुंजीभूत शब्द– मिश्रित अधिगम उपागम, कम्प्यूटर–आधारित शिक्षण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, गतिविधियाँ, फेस–टू–फेस

एक शिक्षक मिश्रित (ब्लेंडेड) अधिगम को निम्नलिखित तीन तरीकों से अभ्यास में ला सकता है (बॉक, 2005)1:

क) अनुदेशात्मक तौर–तरीके (अथवा सम्पादन माध्यम) का एक मिश्रित स्वरूप, जो है दूरस्थ, फेस–टू–फेस, आदि।
ख) अनुदेशात्मक विधियों का एक मिश्रित स्वरूप, जो है एक से अधिक शिक्षण विधियों का उपयोग।

ऑनलाइन तथा फेस–टू–फेस का एकमिश्रित स्वरूप ऑनलाइन अधिगम ऑनलाइन अधिगम प्रतिपादन का एक प्रकार है जिसके माध्यम से एक छात्र पाठ्यक्रम को बिना एक महाविद्यालय या विश्वविद्यालय गये, इन्टरनेट आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सीख सकता है। ऑनलाइन अधिगम में, प्रवेश से लेकर परीक्षा तक, सभी कार्य ऑनलाइन सम्पादित होते हैं। इसमें सारा ध्यान विषयवस्तु के सम्पादन, छात्र तथा विशेषज्ञ (शिक्षक) के बीच संवाद, छात्रों के प्रदर्शन के सतत् आंकलन तथा प्रतिपुष्टि पर होता है। ये सभी गतिविधियाँ एक ऑनलाइन मंच पर संपन्न होती हैं जिसे सामान्य रूप से एक अधिगम प्रबंधन व्यवस्था के रूप में जाना जाता है। आजकल, छात्र ऑनलाइन पाठ्यक्रम को वरीयता देते हैं क्योंकि इससे वे –

1. जो कुछ भी चाहें, सीख सकते हैं। ऑनलाइन अधिगम उन्हें अधिगम के कई विकल्प जो वे सीखना चाहते हैं; उपलब्ध कराता है, जो अक्सर आमने–सामने की व्यवस्था में गायब होते हैं।
2. अपनी सुविधा अनुसार सीख सकते हैं। एक छात्र कभी भी, किसी भी जगह पर अपनी सुविधा अनुसार सीख सकते हैं। बैठे हुए सीख सकता है। अब किसी विशेश समय में, किसी विशेश अवधि के लिए कक्षाकक्ष के चार दीवारों के भीतर बैठने की कोई भी आवश्यकता नहीं है। ऑनलाइन अधिगम ने अधिगम के समय और स्थान के मामले में लचीलापन होता है।
3. अपनी गति से सीख सकते हैं। छात्र अपनी गति से सीख सकते हैं क्योंकि यहाँ कोई निष्चित समय सीमा या अधिगम कार्य नहीं होता है जिसे छात्र को प्रतिदिन पूरा करना हो। अधिकांश ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में इस प्रकार का लचीलापन होता है।
4. मूल्य प्रभावी तरीके से सीख सकते हैं। शैक्षिक संस्थानों के द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे आमने–सामने के पाठ्यक्रम की तुलना में अधिकांश ऑनलाइन पाठ्यक्रम बेहद मूल्य प्रभावी होते हैं।
5. सीमाओं से परे सीख सकते हैं। ऑनलाइन अधिगम ने छात्रों को कहीं से भी सीखने का एक अवसर दिया है। आप इन दिनों काफी संख्या में नामी–गिरामी शैक्षिक संस्थानों द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम की पेशकश करते देख सकते हैं। छात्र, विषयवस्तु की गुणवत्ता, ख्याति तथा स्वीकार्यता के आधार पर सवश्रेश्ठ का चुनाव कर सकते हैं।

सहभागी अधिगम के उपकरणों को ऑफलाइन उपकरण और ऑनलाइन उपकरणों के रूप में विभाजित किया जा सकता है। ऑफलाइन उपकरण वे मीडिया हैं, जिन्हें एक पृथक कम्प्यूटर पर उपयोग में लाया जा सकता है जो इंटरनेट से जुड़ा हुआ नहीं है। इनमें दस्तावेजों, स्लाइड, आकृति, ऑडियो और वीडियो फाइल की सॉफ्टकॉपी शामिल हैं, जिन्हें आपके कम्प्यूटर में संग्रहीत किया जा सकता है और ट्रांसफर डिवाइस, जैसे डाटा ट्रांसफर केबल्स, हार्ड ड्राइव, मेमोरी स्टिक्स, सीडी, इत्यादि के माध्यम से वितरित किया जा सकता है।[3] ऑनलाइन उपकरण वे उपकरण हैं जिनका उपयोग इंटरनेट से कनेक्ट होने पर किया जाता है। इनमें ईमेल, क्लाउड होस्टेड एप्लिकेशन और वेब टूल्स, जैसे– ई–मेल, ब्लॉग, बुलेटिन बोर्ड, चर्चा मंच, विकी, सोशल मीडिया, इत्यादि शामिल हैं। इसमें कोई भी विद्यार्थी इंटरनेट से कनेक्ट होने पर, इन उपकरणों तक अपने कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल या अन्य हाथ में पकड़ने वाले यंत्रों द्वारा पहुँच सकते हैं। इन ऑनलाईन उपकरणों के साधनों की विस्तृत चर्चा इस प्रकार है[4]–

दस्तावेजों की सॉफ्टकॉपी– दस्तावेजों की सॉफ्टकॉपी क्रियाकलापों के लिए विषयवस्तु की रचना की जा सकती है और इनको सॉफ्टकॉपी के रूप में संग्रहीत की जा सकती है। उदाहरण के लिए, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावरपाइंट) या लिबर ऑफिस, पीडीएफ फाइल, और इमेज (उदाहरण के लिए, जेपीजी) फाइल। निम्नलिखित के लिए सॉफ्टकॉपी का निर्माण किया जा सकता है–

अनुरूपी लेखक / संयुक्त लेखक

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-18, No.-III, Issues-33, YEAR-July-Sept. 2024

क) जाँच सूचीः अपनी जाँच सूची के लिए एम0 एस0 वर्ड या राइटर फाइल की जाँच सूची रचना कर सकते हैं। इस जाँच सूची में वे मद होने चाहिए जो समूहों के लक्ष्यों का वर्णन कर सकें।

ख) विषयवस्तुः क्रियाकलापों की विशयवस्तु की रचना एक संक्षिप्त वर्णन, प्रक्रिया का फ्लो चार्ट आदि के रूप में कर सकते हैं। इन सबकी रचना एम0 एस0 ऑफिस और लाइब्रोऑफिस में कर सकते हैं। इन्हें विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों में वितरित किया जा सकता है। विद्यार्थियों को सामग्री के अध्ययन और क्रियाकलापों के संचालन में मार्गदर्शन इससे मिल सकता है।

ग) व्यक्तिगत योगदान और समूह– अंतिम उत्पाद को सूचीबद्ध करने के लिए तालिकारू विद्यार्थियों के वांछित तालिका, व्यवहार सम्बन्धी तालिका की रचना कर सकते हैं। आप समूह के अंतिम उत्पाद की विशेशताओं को सूचीबद्ध करने के लिए भी एक तालिका का निर्माण कर सकते हैं। इन तालिकाओं का उपयोग मूल्यांकन के लिए भी किया जा सकता है।

घ) प्रस्तुतीकरण – उपलब्ध संसाधनों प्रस्तुतीकरण स्लाइड के उपयोग के अतिरिक्त एम0 एस0 पॉवर प्वाइंट या इम्प्रेस द्वारा अपनी स्वयं की विशयवस्तु की रचना कर सकते हैं। पॉवर प्वाइंट या इम्प्रेस संपूर्ण मल्टीमीडिया उत्पादित करने वाले उपकरण हैं, जो हमारे लिए सरलता से उपलब्ध हैं। विशिष्ट शीर्शकों/पाठों के लिए मल्टीमीडिया प्रस्तुतीकरण बनाया जा सकता है। टेक्स्ट, फोटो, एनिमेशन और वीडियो को इसमें सम्मिलित किया जा सकता हैं, और स्लाइड में आवाज भी रिकार्ड भी कर सकते हैं। इसे अपने कंप्यूटर में सुरक्षित भी किया जा सकता है इसे अपने ब्लॉग पर पोस्ट किया जा सकता हैं, या इसे ईमेल द्वारा विद्यार्थियों को भेजा जा सकता है।

ऑडियो– ऑडियो प्राकृतिक ध्वनियों, संगीत, व्याख्यान, साक्षात्कार, नाटक, ऑडियो पुस्तकें, इत्यादि जैसे विभिन्न रूपों में उपलब्ध है। ये ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों में उपलब्ध हैं। रिकॉर्डिंग डिवाइस और संपादन सॉफ्टवेयर का उपयोग कर अपना स्वयं का ऑडियो ऑफलाइन भी बनाया जा सकता हैं। इन सभी को विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। विद्यार्थियों को अपनी अभिव्यक्तियों के रूप में अपने स्वयं के ऑडियो बनाने के लिए निर्देश भी दिया जा सकता है।

वीडियो– वीडियो सामग्री सुविधाओं, साक्षात्कार, वृत्तचित्र, एनिमेशन, वार्ता, प्रदर्शन, क्रियाओं और प्रक्रियाओं, आदि के रूप में उपलब्ध है। ये ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों उपलब्ध हैं। उपलब्ध वीडियो का उपयोग कर किया जा सकते हैं या स्वयं के वीडियो बनाकर उसका उपयोग भी विद्यार्थियों के लिए किया जा सकता है। आप अपने विद्यार्थियों को भी निर्देशित कर सकते हैं कि वे अपने कार्य का प्रदर्शन वीडियो रिकार्डिंग के रूप में करें।

वैब रेडियो– यह उपकरण ऑनलाइन उपलब्ध है। वेब रेडियो या इंटरनेट रेडियो, जैसे वेवस्ट्रीमिंग (www.wavestreaming.com) को सहभागी अधिगम के लिए उपलब्ध कराए जा सकते हैं। विद्यार्थियों को विभिन्न विशयों और क्रियाकलापों को सुनने के लिए कहा जा सकता है। इन विशयों के इर्द–गिर्द क्रियाकलापों को संरचित किया जा सकता है। विद्यार्थी स्वयं भी ऐसे वीडियो कार्यक्रम बना सकते हैं।

वेब कान्फ्रेंसिंग– यह उपकरण ऑनलाइन उपलब्ध है। इंटरनेट वेब कॉन्फ्रेंसिंग (वेबिनार, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या ई–कॉन्फ्रेंसिंग और वेबकास्ट के रूप में भी जाना जाता है) को सक्षम बनाता है। एक वेबिनार एक प्रस्तुति, व्याख्यान, कार्यशाला या संगोष्ठी है, जिसे एक सॉफ्टवेयर के उपयोग के माध्यम से ऑनलाइन किया जाता है।

ईमेल समूह– ईमेल आईडी का उपयोग करके अपने ईमेल आईडी ले कर विद्यार्थियों का एक समूह बनाया जा सकता है। जितना चाहें उतने सीखने वाले समूह बनाया जा सकता है। इस तरह एक ही समय में समूह के अपने सभी शिक्षार्थियों तक पहुंच सकते हैं। ईमेल के माध्यम से दस्तावेज, वेबपृष्ठों, ऑडियो और वीडियो फाइल के लिंक भेज सकते हैं। ईमेल की संदेश प्रणाली के माध्यम से भी चौट किया जा सकता है।

ब्लॉग (वेबलॉग का संक्षिप्त रूप)– चर्चा मंच के साथ एक ऑनलाइन सूचनात्मक ब्लॉग वेबसाइट है। एकल लेखक और बहु लेखक ब्लॉग हैं। ब्लॉग में वह जानकारी होती है जिसे शिक्षकअपने विद्यार्थियों को जानना चाहते हैं, और यह चर्चा द्वारा सफल होता है।

इंटरनेट मंच– इंटरनेट मंच एक ऐसी वेबसाइट हैं जिनमें से एक चर्चा क्षेत्र होता है। संदेश बोर्ड, चर्चा समूह, बुलेटिन बोर्ड, छविबोर्ड और वेब फोरम जैसे विभिन्न प्रकार के इंटरनेट मंच हैं। इन मंचों में एक विशय या प्रश्न पोस्ट किया गया है और टिप्पणियाँ या संदेश एक क्रम में दिखाई देते हैं। यह क्रम प्रारंभिक पोस्ट के साथ–साथ एक टिप्पणी से उत्पन्न हो सकता है जिसे प्रारंभिक पोस्ट पर पोस्ट किया गया है। कई पदों में भी थ्रेड चर्चाएँ उपयोग की जाती हैं।

आभासी कक्षाकक्ष– एक आभासी कक्षाकक्ष ;टपतजनंस ब्सेंतववउद्ध एक ऑनलाइन अधिगम वातावरण है। इसका उपयोग अधिकांशतः दूरस्थ शिक्षा प्रदान करने के लिए किया जाता है। विद्यार्थी इसमें लॉग इन करते हैं और साथ ही कक्षा में भी भाग लेते हैं। ऑनलाइन शिक्षक के व्याख्यान के अतिरिक्त, आई.सी.टी. उपकरण, जैसे दस्तावेजों की सॉफ्टकॉपी, ई–कॉन्फ्रेंसिंग, ऑडियो और वीडियो फाइल, इत्यादि वर्चुअल कक्षाकक्ष में शिक्षण–अधिगम गतिविधियों को पूरा करने के लिए उपयोग किए जाते हैं। यह अतुल्यकालिक परस्पर क्रियाओं के लिए मैसेजिंग, चर्चा मंच, इत्यादि के आई.सी.टी उपकरणों का भी उपयोग करता है।

उपरोक्त माध्यम मिश्रित अधिगम उपागम के माध्यम हैं जिनका उपयोग कर छात्र शैक्षिक विकास कर सकते हैं तथा अध्ययन सामग्री सीख सकते हैं।

अध्ययन का उद्देश्य– प्रस्तुत अध्ययन के लिए निम्नलिखित उद्देष्य हैं–

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-18, No.-III, Issues-33, YEAR-July-Sept. 2024

1. मिश्रित शिक्षा प्रणाली से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त करना।
2. मिश्रित शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिक समर्थित स्मार्ट विद्यालयों की स्थापना के संबंध में अध्ययन।
3. मिश्रित शिक्षा प्रणाली का उपयोग ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से संबंधित अध्ययन।
4. मिश्रित शिक्षा प्रणाली और डिजिटल उपकरणों का उपयोग से संबंधित अध्ययन।

अध्ययन क्षेत्र एवं अध्ययन पद्धति– अध्ययन क्षेत्र के लिए मुजफ्फरपुर जिले का चयन किया गया है। अध्ययन क्षेत्र से 100 उत्तरदाताओं (माध्यमिक विद्यालय के छात्र) का चयन उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति के आधार पर किया गया, तथा तथ्य संकलन के लिए स्व–निर्मित अनुसूची बनायी गयी है तथा संबंधित तथ्यों का संकलन सर्वेक्षण विधि से किया गया है।

तथ्य विश्लेषण– प्रस्तुत अध्ययन में चयनित किये गये उत्तरदाताओं से प्राप्त तथ्यों का विष्लेशण इस प्रकार है:

तालिका संख्या–1

शिक्षा/वर्ग के आधार पर उत्तरदाताओं का परिचय

शिक्षा	उत्तरदाता	प्रतिशत
09वीं कक्षा	40	40
10वीं कक्षा	60	60
कुल	**100**	**100**

उपरोक्त तालिका के आधार पर स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र से चयनित किये गये उत्तरदाताओं में 40 प्रतिशत 09वीं कक्षा के उत्तरदाता हैं तथा 60 प्रतिशत उत्तरदाता 10वीं कक्षा के हैं।

तालिका संख्या–2

माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में ऑनलाईन शिक्षा के प्रति रूचि का अध्ययन

विद्यार्थी	उत्तरदाता	प्रतिशत
रूचि	70	70
रूचि नहीं	30	30
कुल	**100**	**100**

उपरोक्त तालिका के आधार पर स्पष्ट है कि माध्यमिक विद्यालय के 70 प्रतिशत विद्यार्थियों को ऑनलाईन शिक्षा के प्रति रूचि है वहीं 30 प्रतिशत विद्यार्थियों को ऑनलाईन शिक्षा के प्रति रूचि नहीं है। ऑनलाईन शिक्षा के प्रति अरूचि का मुख्य कारण इसके लिए उपलब्ध संसाधनों का नहीं होना है। इसमें खासकर ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालय के छात्र आते हैं जिनके परिवार की आर्थिक स्थिति निम्न है और जिनके पास स्मार्ट फोन, लैपटॉप व इन्टरनेट की सुविधायें नहीं हैं।

तालिका संख्या–3

क्या आपके विद्यालय में इंटरनेट आधारित कोई पाठ्यक्रम या कोई विशेश सामग्री का प्रदर्शन किया जाता है ?

प्रायः/कभी–कभी/बिल्कुल नहीं

विद्यार्थियों के विचार	उत्तरदाता	प्रतिशत
प्रायः	30	30
कभी–कभी	50	50
बिल्कुल नहीं	20	20
कुल	**100**	**100**

उपरोक्त तालिका के आधार पर स्पश्ट है कि पूछे गये प्रश्न क्या आपके विद्यालय में इंटरनेट आधारित कोई पाठ्यक्रम या कोई विशेष सामग्री का प्रदर्शन किया जाता है तो माध्यमिक विद्यालयों में 30 प्रतिशत विद्यार्थियों ने इस प्रश्न के सहमति में अपना जबाव दिया है और कहा कि उनके विद्यालय में इंटरनेट आधारित पाठ्यक्रम का प्रचलन प्रायः (हमेशा) किया जाता है, वहीं 50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने इस प्रश्न के जबाव में कहा कि उनके विद्यालय में कभी–कभी ही इंटरनेट आधारित पाठ्यक्रम का प्रसारण किया जाता है तथा मात्र 20 प्रतिशत ऐसे विद्यार्थी माध्यमिक विद्यालय हैं जिन्होंने अपने जबाव असहमति में दिया है उनका कहना है कि उनके विद्यालय में कभी भी इंटरनेट आधारित पाठ्यक्रम का प्रसारण नहीं किया जाता है।

तालिका संख्या–4

कम्प्युटर शिक्षा को पाठ्यक्रम में जोड़ने संबंधी विद्यार्थियों के विचार ?सहमत/असहमत/कह नहीं सकते

विद्यार्थियों के विचार	उत्तरदाता	प्रतिशत
सहमत	65	60
असहमत	05	10
कह नहीं सकते	30	30
कुल	**100**	**100**

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-18, No.-III, Issues-33, YEAR-July-Sept. 2024

उपरोक्त तालिका के आधार पर स्पश्ट है कि पूछे गये प्रश्न क्या आप सहमत हैं कि कम्प्युटर शिक्षा को पाठ्यक्रम से जोड़ा जाना चाहिए तो माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 60 प्रतिशत विद्यार्थियों ने इस प्रश्न के सहमति में अपना जबाव दिया है, वहीं 10 प्रतिशत विद्यार्थियों ने इस प्रश्न के असहमति में अपना जबाव दिया है जबकि 30 प्रतिशत विद्यार्थियों ने इस प्रश्न के असमंजस की स्थिति में अपना जबाव दिया।

तालिका संख्यारू– 5

क्या आप अपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को दूरदर्शन, रेडियो व अन्य शैक्षणिक चौनल के माध्यम से सुना है/देखा है?
प्रायः/कभी–कभी/बिल्कुल नहीं

विद्यार्थियों के विचार	उत्तरदाता	प्रतिशत
प्रायः	45	45
कभी–कभी	35	35
कभी नहीं	20	20
कुल	**100**	**100**

उपरोक्त तालिका के आधार पर स्पष्ट है कि पूछे गये प्रश्न क्या आप अपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को दूरदर्शन, रेडियो व अन्य शैक्षणिक चौनल के माध्यम से सुना है/देखा है तो माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत मात्र 45 प्रतिशत विद्यार्थियों ने इस प्रश्न के सहमति में अपना जबाव दिया है और कहा कि वे हमेशा इस तरह के शैक्षणिक चौनलों से जानकारी प्राप्त करते हैं, वहीं 35 प्रतिशत विद्यार्थियों ने इस प्रश्न के जबाव में कहा कि वे कभी–कभी ही इस तरह के चौनलों से जानकारी प्राप्त करते हैं तथा 20 प्रतिशत ऐसे विद्यार्थी माध्यमिक विद्यालय के हैं जिन्होंने अपने जबाव असहमति में दिया और कहा कि शैक्षणिक चौनलों के प्रति वे रूचि नहीं रखते हैं।

निष्कर्ष– मिश्रित अधिगम मूलतः इंटरनेट के माध्यम से अध्ययन कार्य है। हम इस प्रकार के अध्ययन को ऑनलाइन अध्ययन और/या वेब–आधारित अध्ययन भी कह सकते हैं। 1990 के दशक के मध्य से इंटरनेट की अचानक वृद्वि के ऑनलाइन अध्ययन की अवधारणा का विस्तार व्यापक रूप से हुआ। ऑनलाइन अध्ययन को अधिक वृहद् ई–अधिगम श्रेणी के उपश्रेणी के रूप में माना जा सकता है, क्योंकि इसका सम्बन्ध विशेश रूप से इंटरनेट या इंट्रानेट से वितरित वर्ण्य विशय से हैं। विष्वविद्यालय और महाविद्यालय अब कुछ चुनीन्दा शैक्षिक पाठ्यक्रम इंटरनेट द्वारा प्रदान कर रहे हैं। विष्व भर में विष्वविद्यालय बिजनेंस एडमिनिस्ट्रेशन, आपराधिक न्याय से नर्सिग में एसोसिएट डिग्री से लेकर डॉक्टेरल डिग्री में ऑनलाइन पाठ्यक्रम आपराधिक न्यास और नर्सिग में एसोसिएट डिग्री से लेकर डॉक्टेरल डिग्री में ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान कर रहे हैं। यद्यपि बहुत से पाठ्यक्रम ऑनलाइन है, परन्तु कुछ पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को कुछ परिसर कक्षाओं या ओंरिटेशन कार्यक्रमों में उपस्थित होना पड़ता है। इसके अलावा कई विष्वविद्यालय ऑनलाइन विद्यार्थी सहायता सेवाएँ जैसे ऑनलाइन सलाह, विद्यार्थी न्यूजलेटर आदि भी प्रदान करते हैं।

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि मिश्रित शिक्षण से छात्रों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का पूरा अवसर मिलता है। इससे व्यक्तित्व के सभी पहलुओं जैसे– संज्ञानात्मक, शारीरिक और भावनात्मकता को मिश्रित शिक्षण के माध्यम से विकसित किया जाता है। मिश्रित शिक्षण के द्वारा छात्रों को जीवन कौशल में भी प्रशिक्षण मिलता है। मिश्रित शिक्षण पद्धति से विभिन्न प्रकार के अनुभव के कारण छात्रों को व्यापक प्रदर्शन मिलता है ओर उनकी सामग्री का ज्ञान समृद्ध होता है, उन्हें सामग्री के विभिन्न नए आयाम और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होते हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. राओ, बी0 के0 (2003) वोकेशनल एज्यूकेशन, ए0 पी0 एच0 पब्लिशिंग कारपोरेशन, न्यू देहली, पृ0 45–49.
2. रोमा समार्ट जोसप (2018); ब्लेण्डेड लर्निंग एण्ड एजुकेशन; नोशन प्रेस 1, नई दिल्ली, पृ0 32–36.
3. कुलकर्णी, एस0 एस0 (2006) ए इन्ट्रोडक्षन टू एजुकेषनल टेकनॉलजी, नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड एण्ड आईबीएच पब्लिशिंग कम्पनी।

*****